



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 91]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 11, 1982/वैशाख 21, 1904

No. 91]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 11, 1982/VAISAKHA 21, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रह संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार] नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 24 आईटीसी (पीएन)/82

नई दिल्ली, 11 मई, 1982

विषय:—1981-82 के लिए येन 300 मिलियन जापानी अनुदान
सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में पत्तों के लिये उप-
स्कर के आयात के लिये उपस्कर और आवश्यक सेवाओं के
संबंध में लाइसेंस शर्तें:

मिनिस्त्र सं० आईटीसी/23(30)/82—1981-82 के लिए भारत में
मस्तिष्क-शोध के टीके के उत्पादन के लिए येन 300 मिलियन जापानी
अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में पत्तों के लिये उपस्कर के
आयात के लिये उपस्कर और आवश्यक सेवाओं के आयात के सम्बन्ध में
सांग्र होने वाली जैसी शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई
हैं, जानकारी के लिये अधिसूचित की जाती हैं।

मणि नारायणस्वामी, मुख्य नियंत्रक
आयात निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय : सार्वजनिक सूचना सं० 24/आईटीसी (पीएन)/82,

दिनांक 11 मई, 1982 का परिशिष्ट

भारत में जापानी मस्तिष्क शोध के टीके के लिये 1981-82 के लिये
येन 300 मिलियन (येन 300,000,000) जापानी अनुदान सहायता के

अंतर्गत जापान से भारत में उपस्कर का आयात और पत्तों के लिये
उपस्कर के आयात के लिये आवश्यक सेवाओं के आयात के लिये लाइसेंस
शर्तें :—

खंड-1 सामान्य शर्तें

1(1) 1981-82 के लिये भारत में जापानी मस्तिष्क शोध के टीके
के उत्पादन के लिए येन 300 मिलियन (सांग्र एवं भाड़ा) की जापानी
अनुदान सहायता का उपयोग केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली द्वारा
भारत में उपस्कर का आयात और पत्तों के लिये उपस्कर के आयात
के लिए जापानी संस्करणों को वित्तीय प्रगति के लिए किया जायगा।
यह अनुदान सहायता 5-2-1983 तक वैध है।

1(2) आयातक के नाम में कुल येन 310 मिलियन (सांग्र बीमा-
भाड़ा) की क्षतिपूर्ति से अधिक के लिए आयात लाइसेंस नहीं जारी किए
जाते चाहिए और इस पर "1981-82 के लिए येन 300 मिलियन जापानी
अनुदान सहायता" अधिलेख प्रकट होना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय
के लिये लाइसेंस कोड "एस/जेएन" होगा।

1(3) आयात लाइसेंस के मद्दे विशेषी मूद्रा का प्रयोग अनुमेय नहीं
होगा, किन्तु बैंक आफ इंडिया, टोकियो को जो प्रभार सामान्य बैंकिंग
प्रणाली के माध्यम से प्रेषित किए जाते हैं, वे इसमें शामिल नहीं हैं, यदि
कोई हो तो, भारतीय एजेंट के कमीशन का प्रगति, भारतीय रुपये में
किया जाना चाहिए, लेकिन, ऐसे प्रगति, लाइसेंस मूल्य का ही एक प्रगति
समय जापान और अतः लाइसेंसधारी से ही वसूल किए जायेंगे।

1(4) इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत उपस्कर केवल जापान से ही अभिप्राप्त किए जाने चाहिए।

1(5) आयात लाइसेंस लागत बीमा-भाड़ा के आधार पर जारी किए जाएंगे, जिनकी वैधता 31-1-1983 तक होगी।

1(6) संविदा में भुगतान की व्यवस्था मकद आधारा पर्याप्त बैंक आफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा लघन वस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर करनी चाहिए। वितरण की अवधि निम्न प्रकार से होगी चाहिए :—

“वितरण 31-1-1983 तक पूर्ण हो जाना चाहिए।”

1(7) संविदा का मूल्य (केवल लागत एवं भाड़े के आधार पर) येन में (येन का धन हटा देना चाहिए) प्रदर्शित किया जाना चाहिए और यदि कोई हो तो, भारतीय अधिकारों का कमीशन निकाल देना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में भारतीय अधिकारों का मूल्य किसी अन्य मुद्रों में प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए। जहाज पर्यन्त निशुल्क लागत एवं भाड़ा राशि भरण से धार्य जानी चाहिए, किन्तु संविदा में यह स्वतः स्पष्ट होना चाहिए कि भाड़े का भुगतान वास्तविक आधार पर किया जायगा अथवा उसमें धार्य गया भाड़ा वास्तविक खर्चों के प्रतिरिक्त भुगतान की राशि होगा।

1(8) क्रय संविदा जापानी राष्ट्रियों के साथ केवल जापानी येन में की जानी चाहिए।

खंड—2 संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान स्पष्ट रूप से समाविष्ट होना चाहिए :—

2(1) ठेके की व्यवस्था 1981-82 के लिए येन 300 मिलियन के अनुदान सहायता के अनुसार भारत और जापान की सरकारों के बीच हुए 6 फरवरी, 1982 को हुए समझौते के अनुसार होनी चाहिए और दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2(2) संभरणों को भुगतान (भुगतान के प्राधिकार) (ए/पी) के माध्यम से किए जाएंगे जो 1981-83 के लिये जापान अनुदान सहायता के अन्तर्गत बैंक आफ इंडिया, टोकियो के लिए सहायता लेखा और लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, यू०सी०ओ० बैंक बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली 110001 द्वारा जारी किए जाएंगे।

2(3) जापानी संभरण ऐसी सूचनाओं एवं वस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिये सहमत होंगे जो एक ओर भारत सरकार और दूसरी ओर जापान सरकार द्वारा अर्पणित होंगे।

2(4) जापानी संभरण भारतीय वृतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिये सहमत हैं और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय वृतावास, टोकियो को शामिल माल की सुपुर्दगी की कार्यक्रम से अवगत कराएगा और पोत लघन से कम से कम छः सप्ताह पूर्व भारतीय वृतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहाँ आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरण का प्रत्येक पोत लघन के पश्चात् आवश्यक धीरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और इसकी एक प्रति भारतीय वृतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खंड—3 भारत और जापान की सरकारों द्वारा ठेके का अनुमोदन

3(1) जैसे ही आवेशों का अन्तिम रूप दे दिए जाते हैं, लाइसेंसधारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां जापानी संभरणों को भारतीय आयात द्वारा दिए गए क्रय आवेश के साथ जापानी संभरण द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आवेश की चार प्रतियां या सभी प्रकार के पूर्ण आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियों के साथ अनुबन्ध 1 के प्रपत्र के “(ए/पी) जारी करने के आवेदन” की दो फोटो प्रतियां अथवा

संभव (टाए) आर्थिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय नार्थ ब्लॉक नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विषय वस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आशोधनों से उत्पन्न सभी संविदा संशोधनों के लिए भी लागू होगी।

3(2) वित्त मंत्रालय (बीईए) जापान अनुभाग 1981-82 के लिये 300 मिलियन येन को जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्त ढान देने के लिये संविदा की एक प्रति जापान सरकार को अनुमोदन के लिये भेजेगा, और इसी के साथ साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित वस्तावेजों का एक सेट सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के वृतावास, टोकियो को भी भेजेगा।

3(3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग जापान अनुभाग नार्थ ब्लॉक को उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू०सी०ओ० बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-11 00 01 को देगा जो कि जापानी संभरण को भुगतान करने बैंके लिये क आफ इंडिया टोकियो को अनुबन्ध 2 के अनुसार एक “भुगतान प्राधिकार-पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार-पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत का वृतावास टोकियो, आयातक भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जायगी।

3(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया, टोकियो, जापान सरकार, भारत का वृतावास, टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से जापानी संभरण को अवगत करावेगा।

3(5) पोतलघन करने के बाद जापानी संभरण अपने बैंकों के माध्यम से (ए/पी) में उल्लिखित वस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा यदि वस्तावेज सही पाए गए ता “क आफ इंडिया, टोकियो वस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को जापानी संभरण को अपने बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा।

3(6) जापानी संभरण को भुगतान की व्यवस्था करने के लिये बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक अथवा भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में आयात से संबद्ध बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन परेषित करके निर्णीत किया जाएगा।

खंड—4 रुपया जमा करने का उत्तरदायित्व

4(1) मूल विनियम पोत-परिवहन वस्तावेज निरपवाद रूप से बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबद्ध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक को अनुबंध-1 के (ण) में उल्लिखित है, की शाखा होगी, उस बैंक का वस्तावेजों के ये विनियम सेट केवल इस बात का सुनिश्चय कर लेने के बाद ही संबद्ध आयातक को देने चाहिए कि जापानी संभरण को सुकाई गई येन धन-राशि के बराबर रुपया उन मामलों में जहाँ वेने योग्य है ब्याज के खर्चे सहित जापानी संभरण की भुगतान कर दिया गया है और इस धनराशि पर जापानी संभरण को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से वास्तविक रूप जमा करने की तिथि तक की अवधि पर पड़ने 30 दिनों के लिए 9% प्रति वर्ष की दर से शेष अवधि के लिए 15% प्रतिवर्ष की दर से हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना सं० 48-आईटी सी (पी/एन) /76, दिनांक 16-6-1976 के अनुसार सरकारी लेखे में जमा कर दिया गया है। ब्याज दोनों दिनों अर्थात् जिस दिन जापानी संभरण को भुगतान किया जाता है, और जिस दिन सरकारी लेखे में रुपया जमा किया जाता है, के लिये देय है, देखिए सार्व० सूचना सं० 103 आईटीसी (पी/एन) 76, दिनांक 12-10-76 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं० 74-आईटीसी (पी/एन) /74, दिनांक 31-5-1974।

येन भुगतान के समस्तुष्य रुपये की गणना करने के लिये अपनाई गई मुद्रा विनिमय की दर मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं० 8-आईटीसी (पी/एन)/76, दिनांक 17-1-76 में यथा निर्धारित मुद्रा विनिमय की प्रचलित मिश्रित दर या समय-समय पर मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा अधिसूचित दर होगी। इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी कोई भी परिवर्तन जैसे ही आवश्यक होगा, अधिसूचित किया जायगा। संबंध भारतीय बैंक का इस बात का सुनिश्चय करने का वायित्व होगा कि आयातकों को आयात वस्तावेज सौंपने से पूर्व देय धनराशि सरकारी लेखों में सही रूप से जमा कर दी गई है। आयातक को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अपने बैंकों से वस्तावज लेने से, पहले देय धनराशि सरकारी लेखों में सही रूप से जमा करा दी गई है। लेखा शीर्ष जिसमें उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जायगा वह है "के-डिपोजिट्स एंड एडवसिज-843 सिविल डिपोजिट्स-डिपोजिट्स फार परचेजिज एटसट्रा एन्ड परचेज ब्रॉडर फ्रॉट एंड फ्रॉम दि गवर्नमेंट ऑफ जापान फार 1981-82" भारत में जापानी मस्तिक शोध के टोके के उत्पादन के लिये उपस्कर सेवाओं के उद्देश्य के लिये अनुदान।

4(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में या यदि यह संभव न हो तो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (प्रदेशी और प्रायक) के नाम और उमका देय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया या इसकी सहायक शाखा या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक (आदेशक) से प्राप्त डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से सरकार के खाते में नकद जमा करानी चाहिए। सार्वजनिक सूचना सं० 184-आई टी सी (पी/एन)/68, दिनांक 30-8-1968, सं० 233-आई टी सी (पी/एन)/68, दिनांक 24-10-68 और सं० 132 आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 सं० 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-1974 और सं० 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दृष्टव्य है।

4(3) भारत में सम्बद्ध बैंक भी उपर्युक्त निर्धारित विधि के अनुसार ऐसे प्रतिरिक्त निक्षेप भेजेगा और जैसे ही सेवा प्रभार के लिए सरकार द्वारा इसकी मांग की जाती है तो इस प्रकार की गई मांग के बाद सात दिनों के भीतर निक्षेप करेगा। बालान के विभिन्न कालम भरते समय आयातकों उनके बैंकों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं० 132-आईटीसी (पी/एन)/71, दिनांक 5-10-71 और सार्वजनिक सूचना सं० 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 के साथ पढ़ी जा ने वाली सार्वजनिक सूचना सं० 74-आईटीसी (पी/एन)/74, दिनांक 31-5-1974 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना बालान के "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण स्पीरे" कालम में निरपवाद रूप से तिथिष्ट किए गए हैं। खजाना बालान में निम्नलिखित स्पीरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए :-

- (क) वित्त मंत्रालय के "ए/पी" (भुगतान के लिए प्राधिकारपत्र) की सं० एवं दिनांक।
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।
- (ग) जापानी संभरक को भुगतान की तिथि।
- (घ) भुगतान किए गए व्याज की धनराशि और वह अवधि जिनके लिये इसकी गणना की गई है।
- (ङ) निक्षेप की गई कुल धनराशि (व्यारे की गणना जापानी संभरक को भुगतान की तिथि से सरकारी लेखों में तुल्य रुपया जमा कराने की तिथि तक करनी है)

उसके पश्चात् सी ए/ए/ए/ए द्वारा जारी किए ए/पी (भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र) का संबंध देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन वस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना बालान, रुपया जमा कराने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी ए ए/ए/ए की भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:- भारत में आयातक के बैंकों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो से भुगतान की सूचना और विनिमय पोत परिवहन वस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर रुपया निरपवाद रूप से जमा कर दिया गया है और यह कि इसके तुरन्त बाद इसकी सूचना सी ए ए/ए/ए वित्त मंत्रालय (प्राथमिक कार्य विभाग), नई दिल्ली को दे दी गई है।

4(4) भारत में संबंध भारतीय बैंकों को लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली को भेजना चाहिए।

खंड- 5 विविध व्यवस्थाएं

5(1) अनुदान सहायता के उपयोग पर रिपोर्ट

आयातक को पोत लवान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में ए/पी जारी हो जाने के पश्चात् एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, प्राथमिक कार्य विभाग, यू०सी०प्रो० बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

5(2) आयातक को इस अनुदान सहायता के अधीन मर्चों के आयात के संबंध में उन विशेष प्रावधानों के संभरक को प्रवगत करा देना चाहिए जो मास के सेन देन में संभरक पर प्रभाव डालती हो।

5(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातकों और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई वायित्व नहीं लेगी। बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें आयातक द्वारा अनुबंध-1 में भुगतान की शर्तों के अंतर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट करनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद निपटाने से संबंधित व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

5(4) भविष्य अनुदेश

जापान से 1981-82 के लिए अनुदान सहायता के अधीन आयातों से उत्पन्न या उनके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी भी मामले या सभी मामलों के सम्बन्ध में समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों, अनुदेशों या आदेशों और सभी वायित्वों को आयातक को तुरन्त पूरा करना होगा।

5(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त अनुच्छेदों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

5(6) अनुबंधों की सूची

अनुबंध-1	ए/पी जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र
अनुबंध-2	ए/पी का प्रपत्र

अनुबंध-1

अनुबंध-2

सं० एक

“भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र”
सं० विनांक

सेवा में,

सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय,
आर्थिक कार्य विभाग,
यू सी ओ बैंक बिल्डिंग, प्रथम भवन,
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

विषय :- 1981-82 के लिए येन 300 मिलियन की जापान अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में पत्रों के लिए उपस्कर के यातायात के लिए आवश्यक उपस्कर और सेवाओं का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से उपयुक्त उपस्कर के आयात के संबंध में हम आपको निम्नलिखित ब्यौरा भेजते हैं जिससे कि आप सम्बद्ध जापानी संस्करण के पत्र में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी कर सकें :-

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, विनांक और मूल्य और वह तिथि जब तक यह वैध है।
- (ग) प्राधिकार के तरीके - क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित या समिति खुली निविदा पर आधारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निर्विण्ट करना है कि क्या निविदा का निर्णय उपयुक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) साल का संक्षिप्त विवरण
- (ङ) साल का उद्गम देश
- (च) संविदा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)
- (छ) यदि कोई हो तो भारतीय रुपए में भारतीय एजेंट के कमिशन की धनराशि (येन में)
- (ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।
- (झ) जापानी संस्करणों के साथ की गई संविदा का नाम और विनांक।
- (ञ) जापानी संस्करण का नाम और पता और एक पात्रता प्रमाण-पत्र (दो प्रतियों में) संलग्न करें।
- (ट) व भुगतान शर्तें और संभावित तिथि जिनको संविदाओं के अंतर्गत भुगतान देय होंगे।
- (ठ) साल की सुपुर्गें पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथियां:
- (ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले वस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान वसति हुए)
- (डू) पोतलदान अनुदेश (अनुदेश या गैर अनुदेश बाह्यनंतरण आणिक पोतलदान निर्विण्ट कीजिए)
- (व) भारत में आयात के बैंक का नाम और पता।

अवधीय

वाणिज्य मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, विनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)।

विषय :- 1981-82 के लिए येन 300 मिलियन की जापान अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में पत्रों को उपस्कर के यातायात के लिए आवश्यक उपस्कर और सेवाओं का आयात भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा परिशिष्ट में दिए गए यथा संलग्न ब्यौरा के अनुसार सर्वेत्री येन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संस्करणों को सूचना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पूर्णकृत की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा संकेतित लवान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. आयातक द्वारा आपको वस्तावेज संस्करणों एवं बैंकों के प्रसार को भेजने आदि के लिए भाड़े सहित भरा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े आयातक के बैंक द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

5. जैसे ही जापानी संस्करण द्वारा प्रस्तुत किए गए लवान दस्तावेज आदि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

6. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

7. यह भुगतान प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

अवधीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :-

1. आयातक को उनके पत्र सं० विनांक के संदर्भ में।

2. आयातक का बैंक उसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक आफ इंडिया, टोकियो त्रांच से वस्तावेज प्राप्त करने पर आपानी संस्करणों को येन भुगतान के बराबर रुपया जमा करने की व्यवस्था करें। संस्करणों को बुकायी गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना सार्वजनिक सूचना सं० 8-आईटीसी(पीएन)/76, विनांक

17-1-76 या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समय समय पर जारी की जाए, के अनुसार विदेशी संरक्षकों को भुगतान करने की तिथि की यथा प्रचलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी। विदेशी संरक्षकों को भुगतान करने की तिथि से भारतीय बैंक को भुगतानी करने की तिथि तक सरकार के लेख में तुल्य रुपया जमा करने की अवधि के लिए सार्वजनिक सूचना सं० 46-आईटीसी(पीएन)/76, दिनांक 16-6-1976 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 9% वार्षिक दर पर और इससे अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 15% की दर से व्याज भी सरकारी लेख में जमा करना होगा। व्याज दोनों दिनों के लिए देय होगा। अर्थात् वह तिथि जिसको विदेशी संरक्षकों को भुगतान किया जाना है और वह तिथि भी जिस दिन सरकारी लेख में रुपया निक्षेप किया जाता है। (यदि इस दर में कोई परिवर्तन होगा तो इसकी सूचना तुरंत दी जाएगी)। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आयातकों को सीमा शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा कराई जाती है।

ये धनराशियां या तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसकी अनुपंगी संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी शाखा दिल्ली-6 (आदेशित और आयात) के नाम में और उसकी देय दर्शनी हुण्डी के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं० 233-आईटीसी(पीएन) 68, दिनांक 24-10-67, सं० 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71, सं० 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं० 103 आईटीसी (पीएन) 76, दिनांक 12-10-76 की शर्तों की ओर विस्तारित जाता है। लेखा शीर्ष जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह "के डिपोजिट्स एण्ड एडवांस्ज-843 सिविल डिपोजिट-डिपोजिट्स फार परचेजिंग एक्सेचेंज एक्वाइ-परचेजिंग ग्राफ्ट ऐंड ग्राम दि गर्बर्नेट आफ जापान फार 1981-82 है और विस्तृत लेखा शीर्षक "भारत में जापानी सस्तरक शोध टोकों के उत्पादन के लिए उपस्कर/सेवाओं की खरीद के लिए येन 300 मिलियन अनुदान सहमति"।

जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं० 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें आयात की मूल रूप में एक प्रतिनिधि बैंक आफ इंडिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण वेते हुए प्रत्येक पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी :

सहायता लेखा तथा परीक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)

पहली मंजिल, यू सी ओ बैंक बिल्डिंग,

मंसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में व्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए व्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए तुल्य रुपय का पूरा ब्योरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

समुद्रपार संरक्षक के बैंक के शर्तों सहित यदि कोई हो तो, बैंकिंग शर्तों और बैंक आफ इंडिया टोकियो ब्रांच के अन्य शर्तें इंडियन बैंक और बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अवर सचिव (टीए) शाखा, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

संज्ञाधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 24/ITC(PN)/82

New Delhi, the 11th May, 1982

Subject : Licensing condition in respect of equipment and services necessary for the importation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 300 million for 1981-82.

File No. IPC/23(30)/(82).—The terms and conditions governing the issuance of import licences in respect of import of equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 300 million for 1981-82 for the production of Encephalitis Vaccine in India as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller
Imports & Exports

Appendix to Ministry of Commerce Public Notice
No. 24 ITC(PN)/82 dated 11th May, 1982

Licensing Conditions for import of equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen three hundred million (Yen 300,000,000) for production of the Japanese Encephalitis Vaccine in India.

Section I General Conditions :

I (i) The Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen 300 million (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, by the Central Research Institute, Kasuali for production of Japanese Encephalitis Vaccine in India. This Grant Aid is valid upto 5-2-1983.

I (ii) The import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 300 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 300 million Japanese Grant Aid for 1981-82". The licence code for the first and second suffix will be "S/N".

I (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels. Payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I (v) The import licences will be issued on CIF basis with validity upto 31-1-1983.

I (vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 31-1-1983."

I (vii) The contract value (C&F basis only) should be expressed only in Yen (fraction of yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on

actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I (viii) The purchase contract should be entered into in Japanese Yen only with the Japanese nationals.

Section II : The following provisions should be specifically incorporated in the supply contract :—

II (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 6th February, 1982 between the Governments of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 300 million for 1981-82 and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payment to the suppliers shall be made through an 'Authorization to pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Account and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1981-82.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a able advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III Contract Approval by Governments of India and Japan

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (T.A.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block New Delhi 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese suppliers supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two photostat copies of Import Licence and two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the content of contracts or in its price.

III (ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send one copy of the contract to the Government of Japan for their approval for financial under the Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen 300 million and extend of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to pay' (A/P) to the Bank of India Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importers' Bank in India and the CAA&A.

III (v) The Japanese supplier shall after effecting shipment present through his bankers the documents specified in

the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV Responsibility for rupee deposit

IV (i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and at 15 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposits is made in to Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI & E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI & E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposit and Advances-843 Civil Deposits—Deposits for purchases etc. abroad—purchase under Grant Aid from the Government of Japan for 1981-82"—Grant for purchase of the equipment/services for the production of Japanese Encephalitis Vaccine in India.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, or State Bank of India, Tis Hazari Delhi, or if this is not possible should be, remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India Tis Hazari Branch Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

(a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and date.

(b) Amount of Yen Currency in respect of which deposit are to be made together with rate of conversion adopted.

(c) Date of payment to the Direct Supplier.

(d) The amount of interest paid and the service for which it has been calculated.

(e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V : Miscellaneous Provisions :

V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid.—The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

V (ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V (iv) Future Instructions.—The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1981-82 from Japan.

V (v) Breach or violation.—Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V (vi) List of Annexures :

Annexure I :—Request for issue of A/P

Annexure II :—Form of A/P.

"REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY"

No. ANNEXURE I
To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject :—Import of equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 300 million for 1981-82.

Sir,

In connection with the import of above mentioned equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned :—

- Name and address of Indian importer.
- Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- Brief description of the goods.
- Origin of the goods.
- Gross C&F value of contract (in Yen).
- Amount of Indian agents commission (in Yen) if any, payable in Indian rupees.
- Net C&F Value (in Yen) for which the A/P is required.
- Name and date of the contract with Japanese Suppliers.
- Name and Address of the Japanese Supplier and attach an eligibility certificate (in duplicate).
- Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- Expected date of completion of deliveries.
- Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- Shipment instruction (indicate if transshipment/partshipment permitted or not permitted).
- Name and Address of the Importer's bank in India.

Yours faithfully,

ANNEXURE II

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject : Import of equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 300 million for 1981-82. Issue of Authorisation to pay.

Dear Sirs,

In accordance with the term and conditions of the agreement dated—entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen—to M/s.—as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importer Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers Banker if any payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the Importer's bank.

6. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto _____.

Yours faithfully,

Accounts Officer.

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their letter No. _____ dated _____.

2. Importer's Banker _____. They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese supplier in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 9 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 15 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India account in terms of Public Notices No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976. The interest is payable for both the days i.e., the day on which payment is made to the Japanese Supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance. These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi or the S.B.I. Tis Hazari,

Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 and 103 ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits and Advances-843 CIVIL Deposits—Deposit for purchases etc. abroad Purchases under Grant Aid from Government of Japan for 1981-82" under detailed head "Y 300 million grant aid for purchase of the equipment/services for the production of Japanese Encephalitis Vaccine in India".

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notices No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below along with a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited along with the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas supplier bankers if any, should be settled directly between the Indian Bank and the Bank of India, Tokyo Branch.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary (TA) Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer